जिनका मेरी मैया से लगाव हो गया

जिनका मेरी मैया से लगाव हो गया
दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया
नदी वो मिली है सागर में जा ज़रूर
जिसका ठीक राह पे बहाव हो गया

जो भी बैठे है माँ की कश्ती में
लग जाए चार चाँद हस्ती में
जो भी गुण मैया के गाते हैं
उनके चर्चे है गली बस्ती में
ज़िन्दगी में उनके बदलाव हो गया
जिनका मेरी मैया से ....

जिनको दादीजी का सहारा है
उनका मंझधार है किनारा है
जो भी भक्ति करे है मैया की
कभी हिम्मत नहीं वो हारा है
हर हाल में खुश रहने का सहाव हो गया
जिनका मेरी मैया से ....

वो बड़े खुशनसीब होते हैं
माँ के जो भी करीब होते हैं
जो भी हाँ दूर झुंझुनू वाली से
वो बड़े बदनसीब होते है
भक्तों जिनका मैया से अलगाव हो गया
ज़िन्दगी में उनके तनाव हो गया
जिनका मेरी मैया से ....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12498/title/jinka-meri-maiya-se-lgaav-ho-geya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |